BENNETT, COLEMAN & CO LTD

इकनॉमिक टाइम्स

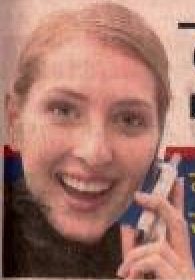

मोबाइल स्पेशिएलिटी स्टोर खोलेगी रिलायंस
कंपनी न्यूज: पेज 5

THE ECONOMIC TIMES

कार बाजार में फोर्ड फिएस्टा के नए रंग
ईटी ऑटोमेनिया: पेज 12

आषाढ़ 9 शक 1930 | आषाढ़ कृष्ण 12 विक्रम 2065
WWW.ETHINDI.COM
सोमवार 30 जून 2008

बड़े ब्रांड के टीवी के पीछे पीजी की छाया

एलजी, वीडियोकॉन और सैमसंग सहित सभी बड़े ब्रांडों के टीवी बनाने वाले पीजी ग्रुप की नींव 1978 में प्रमोद गुप्ता ने रखी थी। वैज्ञानिक की नौकरी छोड़कर कारोबार शुरू करने के विचार से गुप्ता के घर वाले नाखुश थे, लेकिन आज यह कंपनी उनके चल-पूरे नामी इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को टीवी बेच रही है।

विस्तृत ख़बर पेज 2

ब्याज की आंच से कुम्हलाए कंपनियों के सपने

कंपनियों के 60,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना टालने से अर्थव्यवस्था में सुस्ती के लक्षण

एम के वेणु / ... मुंबई

अब तक जो बातें विश्लेषकों के रिपोर्टों में आ रही थीं, अब उसने हकीकत का रूप लेना शुरू कर दिया है। उद्योग जगत के कारोबारी नक्शे में मंदी के साफ लक्षण के तौर पर भारतीय कंपनियां करीब 60,000 करोड़ रुपए जुटाने की अपनी योजनाएं ठंडे बस्ते में डालने लगी हैं। इस रकम का इस्तेमाल कंपनियों की विस्तार योजनाओं और नई परियोजनाओं में किया जाने वाला था। रकम जुटाने की योजना टाले जाने के पीछे कर्ज के महंगा होने को कारण माना जा रहा है। उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक कई कंपनियां अपनी कारोबारी योजनाओं की समीक्षा कर रही हैं क्योंकि उन्हें अंदेशा है कि रिजर्व बैंक ने महंगाई दर के मुकाबले के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी का जो फैसला किया है, उससे इस वित्त वर्ष में उनकी मुनाफे पर उल्टा असर पड़ेगा।

जिन परियोजनाओं पर मौद्रिक नीति कड़ी करने की आशंकाओं की नीति का असर पड़ा है, उनमें मौजूदा इकाइयों के विस्तार और नई इकाइयां लगाने पर होने वाले ऐसे निवेश शामिल हैं, जिनके लिए 3,000 से 15,000 करोड़ रुपए तक का कर्ज उठाने की योजना बनाई गई थी। वैसे तो जिन कॉरपोरेट अधिकारियों से ईटी ने बातचीत की, उनमें से किसी ने भी अपनी परियोजनाएं टालने या रद्द करने की योजना की पुष्टि नहीं की, लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि कारोबारी योजनाओं की समीक्षा की जा रही है। बैंकों ने कहा कि जिन निवेश योजनाओं को टालने का फैसला कर लिया गया है, उनमें एक सरकारी बिजली कंपनी, एक रिफाइनिंग कंपनी और दो स्टील कंपनियां शामिल हैं। रिफाइनिंग कंपनी की योजना जहां 8,000 करोड़ रुपए का कर्ज जुटाने की थी, वहीं दोनों स्टील कंपनियां मिलकर 5,500 करोड़ रुपए जुटाने वाली थीं।

▶ कार उत्पादन पर हो सकता है असर: पेज 2

किशोर बियानी ने हाल ही में फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका के रिटेलरों के साथ बैठकें की हैं, जिसका उद्देश्य बिग बाजार के बैक एंड कामकाज के लिए संयुक्त उपक्रम बनाना है

बाजार को बिग बनाने के लिए विदेशी ...

एयरसेल से तार जोड़ ... दोबारा कहेगी हैलो ...

मुंबई

कॉरपोरेट जगत

हिस्सेदारी

दिल्ली के रत्न

सीनियर साइंटिस्ट रहे प्रमोद गुप्ता ने 1978 में पीजी ग्रुप की नींव रखी। ग्रुप सभी बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को टीवी बेच रहा है

डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक का टीवी बाजार पर कब्जा

टीवी खरीदने पर आप ब्रांड को तवज्जो देते हैं। एलजी, वीडियोकॉन और सैमसंग में से किसका टीवी बेहतर होगा, यह फैसला करने में आप कई घंटे या कुछ दिन तक लगा देते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बड़ी कंपनियों के लिए दिल्ली का पीजी ग्रुप टीवी बना रहा है। ये कंपनियां तो बस उसकी ब्रांडिंग कर रही हैं। 1978 में सीनियर वैज्ञानिक ने पीजी ग्रुप की नींव रखी। सरकारी नौकरी छोड़कर इस वैज्ञानिक ने चार हजार रुपए के निवेश से टीवी बनाने का कारोबार शुरू किया। तब सरकारी नौकरी छोड़ना बहुत बड़ा जोखिम माना जाता था। अगर वैज्ञानिक ने परिवार की सुनी होती तो करोड़ों का कारोबार खड़ा नहीं हुआ होता। पीजी ग्रुप आज सभी बड़ी कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों को टीवी बेच रहा है।

प्रमोद गुप्ता, पीजी ग्रुप के चेयरमैन

पीजी ग्रुप के चेयरमैन प्रमोद गुप्ता डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन में सीनियर वैज्ञानिक थे। दिल्ली के शक्ति नगर में उन्होंने घर की छत पर ही 1966 में रेडियो ट्रांजिस्टर बनाने शुरू किए। उनकी पत्नी भी इस काम में उनकी मदद करती थीं। 12 साल सरकारी नौकरी करने के बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी, जिसका उनके दादाजी ने विरोध किया। वह धुन के पक्के थे और उन्होंने घर की छत पर ही चार हजार के निवेश से छोटी फैक्ट्री लगा ली।

1978 में उन्होंने उस समय की बड़ी टीवी निर्माता कंपनियों वेस्टर्न और क्राउन को टीवी बेचने की पेशकश की। इन कंपनियों ने पूछा कि कोई घर की छत पर कैसे टीवी बना सकता है? धीरे धीरे प्रमोद गुप्ता ने अपने प्रोडक्ट से सबको प्रभावित किया और उस समय की बड़ी टीवी कंपनियों के वेंडर बन गए। प्रमोद गुप्ता ने बताया कि उस समय टीवी पर प्रॉफिट मार्जिन 20 फीसदी से ज्यादा होता था। 1995 में उन्होंने अपने कारोबार को बढ़ाना शुरू किया और जीटी करनाल रोड पर दूसरी फैक्ट्री लगाई। इसका पूरा खर्च कंपनी ने खुद उठाया। आज नोएडा, भोपाल, पंजाब, उत्तरांचल में कंपनी के प्लांट हैं।

2001 में एलजी और सैमसंग जैसी कंपनियां देश में आईं। इन कंपनियों और वीडियोकॉन ने भी प्रमोद गुप्ता के टीवी खरीदे। प्रमोद गुप्ता ने बताया कि गोदरेज हाल ही में उनका ग्राहक बना है। वह उनके लिए खास टीवी बना रहे हैं, जो अगले साल अप्रैल में लॉन्च किया जाएगा। मोजरबेयर, रिलायंस, बिग बाजार भी उनके ग्राहकों की लिस्ट में शामिल हैं। प्रमोद गुप्ता अब टेलीकॉम और ऑटोमोटिव सेक्टर में भी उतरने की तैयारी में हैं।

कंपनी का टर्नओवर 500 करोड़ रुपए है, इस समय कंपनी का ग्रोथ रेट 40 फीसदी से ज्यादा है। 2009 में कंपनी का टर्नओवर 1,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रमोद गुप्ता के बेटे और कंपनी के डायरेक्टर विकास गुप्ता ने बताया कि ग्रुप ने सभी कंपनी को एकीकृत किया है।

पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट प्राइवेट लिमिटेड, जेबी इलेक्ट्रॉनिक्स, पीजी इंटरनेशनल कुल मिलाकर पीजी ग्रुप की पांच कंपनियां हैं। पीजी ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक पीसीबी असेंबली, टेलीकॉम, ऑडियो, डीवीडी, एलसीडी टीवी, ऑटोमोबाइल इलेक्ट्रॉनिक सामान का निर्माण करता है और ग्रुप के पूरे देश में कुल मिलाकर छह प्लांट हैं। शीतल गौड़